“गंगा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम”

दिनांक: मार्च १६, २०२१ से मार्च ३१, २०२१

नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा

"गंगा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम"

दिनांक: मार्च १६, २०२१ से मार्च ३१, २०२१

आयोजक	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल
संरक्षक / प्राचार्य	डॉ0 रेनू नेगी
नमामि गंगे समिति / संपादक मण्डल	डॉ0 पूरन चन्द्र पैन्यूली (नोडल अधिकारी)
	डॉ० पद्मा वशिष्ठ (सदस्य)
	डॉ० आशा डोभाल (सदस्य)
	डॉ० जयेन्द्र सजवाण (सदस्य)
	डॉ० संदीप कुमार (सदस्य)
	श्री हरीश मोहन नेगी : सदस्य
प्रायोजक	राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे, देहरादून उत्तराखण्ड
	श्री उदय राज सिंह अपर सचिव पेयजल एवं कार्यक्रम निदेशक नमामि गंगे
	श्री पूरन चन्द कापड़ी संचार विशेषज्ञ

Contact: 01376-234964 Email: gpgcollegentt@gmail.com www.gpgcnewtehri.com

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	गंगा एक परिचय	1-2
2	विस्तृत आख्या	3-4
3.	प्रथम दिवस - 16.03.20XXI (निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन)	5-6
4.	द्वितीय दिवस - 17.03.20XXI (गंगा संकल्प कार्यक्रम)	7-11
5.	तृतीय दिवस - 18.03.20XXI (ग्राम छमुंड- स्वच्छता कार्यक्रम)	12-18
6.	चतुर्थ दिवस - 19.03.20XXI (गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली)	19-23
7.	पंचम दिवस - 20.03.20XXI (हस्ताक्षर अभियान)	24-27
8.	षष्ठम दिवस - 21.03.20XXI (योगा प्रशिक्षण-कार्यक्रम)	28-29
9.	सप्तम दिवस - 22.03.20XXI (स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम)	30-33
10.	अष्टम दिवस - 23.03.20XXI (गंगा स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता कार्यशाला)	34-48
11.	नवम् दिवस - 24.03.20XXI (गंगा रन कार्यक्रम)	49-51

REPORT ON

GANGA CLEANLINESS FORTNIGHT

OBSERVED IN

GOVERNMENT P.G. COLLEGE, NEW TEHRI

“गंगा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम”

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी

Dated: March 16, 2021 to March 31, 2021

दिनांक: मार्च १६, २०२१ से मार्च ३१, २०२१

SPONSOR: STATE PROGRAMME MANAGEMENT GROUP,

NAMAMI GANGE, UTTARAKHAND

गंगा एक परिचय

भारत वर्ष की विशाल जल प्रवाहक, सांस्कृतिक समागम, श्रृद्धाभावित, आर्थिकी का स्तम्भ, जलीय जन्तुओं की आश्रय स्थली गंगा केवल गंगा जल तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह राष्ट्र और भारतीय संस्कृति की मानवीय चेतना की प्रवाहक भी है इसलिए इसे वेदों, पुराणों एवं अन्य भारतीय महाकाव्यो में पुण्य सलिला, पाप नासिनी, मोक्ष प्रदायिनी, सरित्यश्रेष्ठा आदि उपमाओं से अलंकृत किया गया है।

गंगा का उदगम हिमालय पर्वत श्रृंखला से है। अपने प्रवाह क्षेत्र के प्रारम्भिक चरण में उत्तराखण्ड राज्य के देवप्रयाग नामक स्थान पर अलकनन्दा एवं भागीरथी नदियों की सम्मिलित जलधारा ही गंगा नाम से विश्व में जानी जाती है। गंगा नदी की प्रमुख सहायक नदी भागीरथी गोमुख नामक स्थान से 25 किलो मीटर लम्बे गंगोत्री हिमनद से निकलती है। इसकी दूसरी प्रमुख सहायिका अलकनन्दा नदी सतोपंथ हिमनद से उदगमित होती है जिसमें अनेक सहायक जलधाराऐं जैसे धौली , विष्णु, नन्दाकिनी, पिण्डर, मन्दाकिनी तथा अनेक छोटी–छोटी सहायक नदियां मिलकर इसके जल प्रवाह को भागीरथी से अधिक बना देती है। इस प्रकार गंगा पर्वतीय अंचलों से स्वच्छ एवं निर्मल बहती, भारत वर्ष के विशाल मैदानी क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करती, भारत के 5 राज्यों से होकर गुजरती हुई गंगा सागर (बंगाल की खाड़ी) में सागर में समागमित हो जाती है।

नदी की कुल लम्बाई 2525 किलो मीटर है इसका बेसिन 1.6 मिलियन वर्ग किलो मीटर का जिसमें 468. 7 बिलियन मिट्रिक पानी वर्ष भर में प्रवाहित होता है। गंगा बेसिन में 45 करोड़ आबादी निवास करती है। गंगा नदी न सिर्फ हमारी संस्कृति की संवाहक है बल्कि हमारे देश की 40 प्रतिशत आबादी की आर्थिकी का भी आधार है।

गंगा जैव विविधता

जैव विविधता जीवन और विविधता का मिलित स्वरूप है, जो सामान्यतः पृथ्वी पर उपस्थित जीवन की विविधता और परिवर्तनशीलता को व्याख्यायित करता है। गंगा नदी विभिन्न प्रकार के जलीय जीवों की आश्रृय स्थली है जिसमें गंगेटिक डाल्फिन, घडियाल, दलदली मगरमच्छ, एस्ट्रूरिन मगरमच्छ, विभिन्न प्रजाति के कछुए एवं इनके साथ ही अलग–अलग प्रकार की मछलियों की 143 प्रजातियां पायी जाती है। गंगा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर एवं यहां के जनमानस के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। वर्तमान समय की आवश्यकताओं एवं निजि स्वार्थो की पराकाष्ठा के चलते गंगा का दोहन करते–करते हम उसके वास्तिविक स्वरूप एवं उसकी महत्ता को भूलते जा रहे है। औद्योगीकरण, नगरीकरण, एक बार प्रयोग में आने वाले प्लास्टिक के बेतहाशा उपयोग, फैक्ट्रियों का वेस्ट, सीवरेज, गंगा को निरन्तर प्रदूषित करते जा रहे है। उपरोक्त सभी कारक समाप्त न होने वाले है और गंगा एवं महासागरों में पहुॅचकर उनमे रहने वाले जलीय जीवों एवं वनस्पतियों के जीवन पर दुष्प्रभाव डालते हैं और समय के साथ–साथ यह दुष्प्रभावी कारक जलीय जीवों के शरीर में जमा होकर उनके प्रजनन तन्त्र को प्रभावित करने के साथ ही उनकी मृत्यु का कारण भी बनते है। प्रदूषित जल में रहने वाले जलीय

जीव एक दूसरे को परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। इसी कारण खाद्य जाल एवं खाद्य श्रृंखला के माध्यम से गंगा में रहने वाले जीव विलुप्ती की कगार पर है। गंगा की जैव विविधता में गंगेटिक डॉल्फिन,घडियाल, दलदली मगरमच्छ, गोल्डन महासीर तथा अन्य प्रजातियों की मछलियां, सॉप आदि बढ़ते प्रदूषण के कारण विलुप्ती की कगार पर है।

नमामि गंगे

नमामि गंगे का आशय गंगा को नमन करने से है, गंगा नदी का न केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि देश की 40 प्रतिशत जनसंख्या की आजीविका गंगा नदी पर निर्भर है। नमामि गंगे (नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा) परियोजना की शुरूआत जून 2014 में की गई। इस परियोजना की शुरूआत गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और नदी को पुनर्जीवित करने के लिए एक एकीकृत गंगा संरक्षण के मिशन के रूप में की गई। इस परियोजना का क्रियान्वयन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मन्त्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत गंगा नदी को स्वच्छ कर पुनः स्वच्छ, निर्मल एवं प्राचीन शुद्ध स्वरूप में लाने का प्रयास किया जा रहा है। गंगा की पूर्ण सफाई कर प्रदूषण मुक्त, पेय जल एवं अन्य मानव तथा जीव–जन्तुओं की आवश्यकता हेतु उपयोगी बनाना, इसकी जैव विविधता को संरक्षित रखते हुए उसको पर्यटन से जोड़ना, नदी के दोनों छोरों पर वृक्षारोपड़ एवं गंगा तटों पर बसे जनमानस की आर्थिकी को सुदृढ़ करना इसके प्रमुख उद्देयों में है।

उपरोक्त उद्देश्यों के अतिरिक्त निम्न गतिविधियों के माध्यम से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को स्वच्छ करने का प्रयास किया जाना है।

1. नगर कस्बों एवं उद्योग से आने वाले कचरे की समस्या का समाधान।
2. उद्योगों के गन्दे पानी के बहाव के लिए रियल टाइम ऑन लाइन निगरानी केन्द्रों की स्थापना करना।
3. जैव विविधता संरक्षण एवं गंगा के दोनों किनारों पर वृक्षारोपड़ कर गंगा जल के साथ–साथ पर्यावरण को भी शुद्ध करना।
4. सामान्य उपयोग हेतु पानी की जॉच के लिए निगरानी केन्द्रों की स्थापना करना।
5. प्रारम्भिक स्तर की गतिविधियों के तहत नदी की उपरी सतह की सफाई से लेकर बहते हुए ठोस कचरे की समस्या को हल करना।
6. ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की नालियों से मैले पदार्थ को मुख्य धारा में जाने से पूर्व उसका समाधान करना।
7. शौचालयों का निर्माण, शवदाह गृह का नवीनीकरण ।
8. अधजले शवों को नदी में बहने से रोकना तथा मानव और नदियों के बीच के सम्बन्धों को और मजबूत बनाने के लिए उपयोग में आने वाले नदी तटों, घाटों का नवीनीकरण कर जन उपयोग हेतु तैयार करना।

प्रथम दिवस - 16.03.20XXI (निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन)

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 16 मार्च से 31 मार्च 2021 (विस्तृत आख्या)

गंगा स्वच्छता, संरक्षण एवं जागरूकता हेतु आम जनमानस को संवेदनशील बनाये जाने हेतु राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग एवं राज्य परियोजना प्रबंधन ग्रुप नमामि गंगे उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वाधान में 16 मार्च से 31 मार्च 2021 तक गंगा स्वच्छता पखवाड़ा मनाये जाने के क्रम में राज्य के चयनित राजकीय महाविद्यायों में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी का चयन कर महाविद्यालय परिवार को गंगा की स्वच्छता, निर्मलता एवं उसके संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियों से आम जनमानस को जागरूक करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जन सहभागिता को प्रधानता दी गई है। जन सहभागिता हेतु महाविद्यालयो में अध्ययनरत युवा शक्ति इस अभियान को सफल बनाने के लिए एक सशक्त माध्यम है।

दिनॉक 16 मार्च 2021 गंगा स्वच्छता पखवाड़ा मनाये जाने के क्रम में दिनॉक 16 मार्च 2021 को विधिवत रूप से महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 रेनू नेगी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। अपने उद्‌बोधन में प्राचार्य महोदया ने भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यदि आम जनमानस सरकार के इस कार्यक्रम में अपने पूर्ण मनोयोग से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करता है तो वह दिन दूर नहीं होगा जब गंगा एवं उसकी सहायक नदियां अपने पूर्ववर्त्ती स्वरूप को प्राप्त कर सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने छात्र–छात्राओं से इन समस्त गतिविधियों में पूर्ण उत्साह के साथ अपनी भूमिका को सुनिश्चित करने का आह्‌वान किया और महाविद्यालय की नमामि गंगे टीम एवं छात्र–छात्राओं को इस कार्यक्रम की सफलता हेतु अपना सुभाशीष दिया।

प्राचार्य महोदया के उद्‌बोधन के पश्चात नोडल अधिकारी डॉ0पी0सी0पैन्यूली द्वारा प्राचार्य महोदया एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों का कार्यक्रम की सफलता हेतु दिये गये सुझावों एवं शुभकामनाओं हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पश्चात महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के मध्य ''गंगा की स्वच्छता एवं संवर्धन'' शीर्षक पर निबन्ध प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। छात्रों ने गंगा के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्वों के साथ–साथ गंगा की पूर्व की स्थिति, वर्तमान की परिस्थिति, भविष्य का कयास लगाते हुए तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इसकी स्वच्छता एवं निर्मलता को बनाये रखने हेतु किये जाने वाले प्रयासों पर अपने विचारों के माध्यम से निबन्ध को संयोजित करते हुए सर्वश्रेष्ठ लेखन का प्रयास किया। इसके पश्चात पोस्टर प्रतियोगिता प्रारम्भ हुई जिसका शीर्षक ''स्वच्छ पर्यावरण के साथ स्वस्थ जीवन'' रखा गया । उक्त प्रतियोगिता में भी महाविद्यालय के छात्रों ने बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग किया और अपने विचारों को विभिन्न रंगों एवं कला कृतियों के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया। इन प्रतियोगिताओं के मुल्यांकन हेतु अलग–अलग निर्णायक मण्डलों का गठन किया गया। प्रतियोगियों की प्रस्तुतिकरण के मुल्यांकन के फलस्वरूप निबन्ध प्रतियोगिता में कु0 अनीषा एम0एससी0 तृतीय सेमेस्टर की

छात्रा ने प्रथम स्थान, कु0 साक्षी बहुगुना एम0एससी0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ने द्वितीय स्थान तथा एम0एससी0 प्रथम सेमेस्टर की छात्रा शिवानी रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में निर्णायक मण्डल द्वारा घोषित पोस्टर प्रतियोगिताओं के परिणामों के अनुसार कु0 अनीषा एम0एससी0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ने प्रथम स्थान, जगवीर सिंह एम0एससी0 तृतीय सेमेस्टर के छात्र ने द्वितीय स्थान एवं कु0 अंजली बी0एससी0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रथम दिवस - 16.03.20XXI (निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन)

महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर गंगा स्वच्छता पखवाड़े का शुभारम्भ

नमामि गंगे समिति के सदस्य दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा गंगा स्वच्छता पखवाड़े के शुभारम्भ पर छात्र-छात्राओं को उद्बोधन

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं हेतु निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन

महाविद्यालय की छात्र-छात्राएं गंगा स्वच्छता पर निबंध लेखन करते हुए

महाविद्यालय में गंगा स्वच्छता थीम पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता

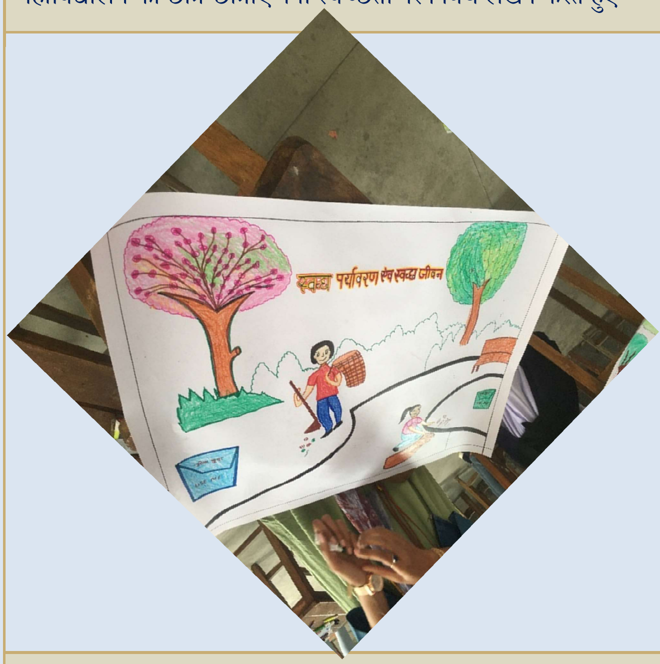

महाविद्यालय में गंगा स्वच्छता थीम पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता की एक और झलक

गंगा स्वच्छता थीम पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतियोगी अपनी पेंटिंग्स पर कार्य करते हुए

द्वितीय दिवस - 17.03.20XXI (गंगा संकल्प कार्यक्रम)

द्वितीय दिवस 17 मार्च 2021 को प्रातः 11 बजे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों एवं महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को नोडल अधिकारी नमामि गंगे द्वारा मेरा संकल्प कार्यक्रम के तहत गंगा एवं उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 रेनू नेगी ने अपने उदबोधन में कहा कि हम सभी को अपने घर, आस–पास, कार्य स्थल आदि स्थानों को स्वयं स्वच्छ रखना चाहिए। जल स्रोतों, बहते हुए जल, तालाब, पोखरों आदि में किसी भी प्रकार का कूड़ा डालने से बचना चाहिए। प्लास्टिक के बैगों की जगह कपड़ें के थैलो का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए जिससे हम अपने पर्यावरण, नदी, तालाबों तथा झीलो आदि को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने में सफल हो तथा समाज में एक प्रेरक के रूप में भी कार्य कर सके।

द्वितीय दिवस - 17.03.20XXI (गंगा संकल्प कार्यक्रम)

गंगा शपथ कार्यक्रम मे प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी महाविद्यालय को सम्बोधित करते हुए

नमामि गंगे समिति के नोडल अधिकारी द्वारा गंगा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय परिवार गंगा संकल्प (शपथ) लेते हुए

महाविद्यालय के नमामि गंगे समिति के सहयोगी प्राध्यापक

Media Report

द्वितीय दिवस - 17.03.20XXI

4/15/2021 गवर्नमेंट पीजी कॉलेज नई टिहरी में जल स्रोतों की स्वच्छता हेतु शपथ - तीर्थचेतना

BREAKING NEWS

कोटद्वार में संस्कृत भारती का जनपदीय सम्मेलन

तीर्थचेतना

Home / खबर / टिहरी / गवर्नमेंट पीजी कॉलेज नई टिहरी में जल स्रोतों की स्वच्छता हेतु शपथ

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज नई टिहरी में जल स्रोतों की स्वच्छता हेतु शपथ

By Tirth Chetna - March 17, 2021 - In टिहरी 0

4/15/2021 गवर्नमेंट पीजी कॉलेज नई टिहरी में जल स्रोतों की स्वच्छता हेतु शपथ - तीर्थचेतना

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत होने वाले कार्यक्रमों के तहत कॉलेज के नमामि गंगे कार्यक्रम के संयोजक डॉ.पीसी. पैन्यूली द्वारा छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को गंगा की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई?।

इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. रेनू नेगी ने छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वह किसी भी प्रकार का कूड़ा करकट, अवशेष पूजा सामग्री, पॉलिथीन इत्यादि गंगा के साथ-साथ अन्य नदियों में भी प्रवाहित करने से बचें और लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करने में सहायता करें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कविता काला एवं डॉ संजीव सिंह नेगी के अतिरिक्त नमामि गंगे कार्यक्रम में सहयोग करने वाले डॉ.संदीप बहुगुणा, डा. जयेंद्र सजवान, डॉ आशा डोभाल, डॉ.पुष्पा पंवार, डॉ.आरती खंडूरी, डॉ.पद्मा वशिष्ठ, डॉ शालिनी रावत, डॉ.ममता रावत,डॉ.श्रीकृष्ण नौटियाल डॉ अरविंद मोहन पैन्यूली आदि उपस्थित थे।

https://www.tirthchetna.com/pg-college-new-tehri/

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में गंगा की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने की दिलाई शपथ

By **Devbhoomikhabar** - *March 17, 2021*

टिहरी।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम के संयोजक डॉ.पी. सी. पैन्यूली ने छात्र-छात्राओं ,शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को गंगा की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रेनू नेगी ने छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वह किसी भी प्रकार का कूड़ा करकट, अवशेष पूजा सामग्री, पॉलिथीन इत्यादि गंगा के साथ-साथ अन्य नदियों में भी प्रवाहित करने से बचें और लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करने में सहायता करें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कविता काला एवं डॉ संजीव सिंह नेगी के अतिरिक्त नमामि गंगे कार्यक्रम में सहयोग करने वाले डॉ.संदीप बहुगुणा, डा. जयेंद्र सजवान, डॉ आशा डोभाल, डॉ.पुष्पा पंवार, डॉ.आरती खंडूरी, डॉ.पद्मा वशिष्ठ, डॉ शालिनी रावत, डॉ.ममता रावत, डॉ.श्रीकृष्ण नौटियाल डॉ अरविंद मोहन पैन्यूली आदि उपस्थित थे।

https://devbhoomikhabar.com/गंगा-की-सफाई-एवं-स्वच्छता/

Home > हमारा उत्तराखण्ड > टिहरी

हमारा उत्तराखण्ड टिहरी

महाविद्यालय नई टिहरी में नमामि गंगे के तहत गंगा की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई

By LOKPAKSH - March 17, 2021 61 0

4/18/2021 Namami Gange Program in Govt Postgraduate College New Tehri

नई टिहरी। यहां स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में आज बुद्धवार को नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को गंगा की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में शपथ महाविद्यालय के नमामि गंगे कार्यक्रम के संयोजक डा0 पी0सी0 पैन्यूली द्वारा दिलाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डा0 रेनू नेगी ने छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वह किसी भी प्रकार का कूड़ा करकट, अवशेष पूजा सामग्री, पॉलिथीन इत्यादि गंगा के साथ-साथ अन्य नदियों में भी प्रवाहित करने से बचें और लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करने में सहायता करें।

इस अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के संयोजक डा0 पी0सी0 पैन्यूली ने कहा कि गंगा एवं उसकी सहायक नदियों को साफ स्वच्छ रखना हम सभी का कत्तव्य है और छात्र-छात्राओं को भी स्वयं जागरूक रहकर और को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी को आगे आना होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा0 कविता काला एवं डा0 संजीव सिंह नेगी के अतिरिक्त नमामि गंगे कार्यक्रम में सहयोग करने वाले डा0

https://lokpaksh.com/namami-gange-program-in-govt-postgraduate-college-new-tehri/

तृतीय दिवस - 18.03.20XXI (ग्राम छमुंड- स्वच्छता कार्यक्रम)

तृतीय दिवस दिनांक 18 मार्च 2021 को गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत अधिकृत ग्राम छमुण्ड के लिए महाविद्यालय से एक रैली जो कि शहर के मध्य से होते हुए गांव के अन्तिम छोर तक निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री हितेश चौहान क्षेत्र पंचायत सदस्य बुडोगी एवं महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा किया गया। अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें जल, जंगल, जमीन एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए संबधित सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं में अपना पूर्ण सहयोग देना चाहिए अन्यथा आने वाले समय में हमें मानव जीवन को बचाने के लिए एक बहुत बड़ी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना होगा। इसी क्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य ने गांव वासियों एवं छात्रों को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के उद्देश्यों के सन्दर्भ में जानकारी दी तथा गंगा संकल्प के महत्व से अवगत कराया। तत्पश्चात नमामि गंगे के सभी स्वयं सेवकों द्वारा गांव के सम्पर्क मार्गो, छोटे–छोटे जल स्रोतो की सफाई के साथ झाड़ियों को काटा गया तथा गांव में फैले कूड़ें को एकत्र किया गया। कार्यक्रम में नमामि गंगे समिति के सदस्यों के अतिरिक्त डॉ0 एस0 के0 नौटियाल, डॉ0 कविता काला डॉ0 संजीब नेगी, डॉ0 रजनी गुसांई, डॉ0 पुष्पा पंवार, डॉ0 बी0डी0एस0 नेगी, पूर्व छात्र संघ महासचिव अमित सेमवाल, नरेश, मान सिंह, मुकेश रतूड़ी तथा सोबन सिंह आदि ने अपना योगदान दिया।

इसके पश्चात महाविद्यालय के बहुउद्देशीय भवन में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया जिसमें टिहरी के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक श्री महिपाल नेगी जी मुख्य वक्ता थे। उन्होने अपने उदबोधन में छात्र–छात्राओं को लोक परम्पराओं के माध्यम से जल, जंगल, जमीन का संवर्धन कैसे किया जा सकता है तथा इनके संरक्षण के लिए गाये जाने वाले लोक गीतों, सदियों तक सुनाई जाने वाली लोक कथाओं, पवाड़ों आदि से अवगत कराया। उक्त व्याख्यान सभी सहभागियों के लिए अत्यधिक प्रेरणदायक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

तृतीय दिवस - 18.03.20XXI (ग्राम छमुंड- स्वच्छता कार्यक्रम)

महाविद्यालय की प्राचार्य छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे लोगो युक्त कैप पहनाते हुए

महाविद्यालय की मुख्य शास्ता छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे लोगो युक्त कैप एवं टी-शर्ट वितरित करते हुए

प्राचार्य के साथ नमामि गंगे के सहयोगी सदस्य

नमामि गंगे समिति की सक्रीय सदस्य मुख्य शास्ता को कैप भेंट करते हुए

महाविद्यालय की प्राचार्य के साथ नमामि गंगे समिति के सहयोगी प्राध्यापक	नमामि गंगे समिति की सदस्य द्वारा छात्र-छात्राओं को नमामि गंगे लोगो युक्त कैप एवं टी शर्ट वितरण
महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं अधिकृत ग्राम छमुंड की ओर बढ़ते हुए	महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की स्वच्छता कार्यक्रम के पूर्व उपस्थिति लेते हुए

ग्राम छमुंड में स्वच्छता अभियान के पूर्व एकत्रित छात्र-छात्राएं

ग्राम छमुंड में स्वच्छता अभियान पर प्राचार्य महोदया का स्वागत करते करते हुए

महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं स्वच्छता कार्यक्रम करते हुए

नोडल अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत

महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं स्वच्छता कार्यक्रम करते हुए	महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं स्वच्छता कार्यक्रम करते हुए
महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को बौद्धिक सत्र में सामाजिक कार्यकर्ता श्री महिपाल नेगी द्वारा जल संरक्षण पर व्याख्यान	महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं स्वच्छता कार्यक्रम करते हुए

Media Report

तृतीय दिवस - 18.03.20XXI

Home › हमारा उत्तराखण्ड › टिहरी › नमामि गंगे कार्यक्रमः पीजी कालेज नई टिहरी के छात्रों ने छमुण्ड में...

हमारा उत्तराखण्ड | टिहरी

नमामि गंगे कार्यक्रमः पीजी कालेज नई टिहरी के छात्रों ने छमुण्ड में चलाया स्वच्छता अभियान

By **LOKPAKSH** March 18, 2021 84 0

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत बीते 16 मार्च से 31 मार्च तक गंगा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत आज गुरूवार को महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम छमुण्ड में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा स्वच्छता पखवाड़े के तहत आज गुरूवार को महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा यहां जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम छमुण्ड में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 रेनू नेगी एवं जिला पंचायत सदस्य हितेश चैहान द्वारा किया गया। इसके पश्चात गंगा स्वच्छता की परिकल्पना को साकार करने के तहत पुनः छात्र छात्राओं को गंगा शपथ (मेरा संकल्प) दिलवाई गई।

स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम के अलावा क्षेत्र के जल स्रोतों की वास्तविक स्थिति एवं उनके संभावित संरक्षण के प्रयासों पर भी मंथन किया गया। इस कार्यक्रम में नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डा0 पी0 सी0 पैन्यूली, डा0 जयेन्द्र सजवाण, डा0 पद्म, डा0 आशा, डा0 संजीव नेगी, डा0 रजनी गुसांईं, डा0 कविता काला, डा0 संदीप बहुगुणा, डा0 श्रीकृष्ण नौटियाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

https://lokpaksh.com/students-pg-college-new-tehri-started-cleanliness-

गँगा स्वच्छता पखवाडे के तहत महाविद्यालय नई टिहरी के छात्र-छात्राओं ने ग्राम छमुण्ड में चलाया स्वच्छता अभियान

By **Devbhoomikhabar** - *March 18, 2021*

नई टिहरी।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में नमामि गङ्गे कार्यक्रम के अंतर्गत 16 मार्च से 31 मार्च तक मनाये जाने वाले गँगा स्वच्छता पखवाडे के तहत आज महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम छमुण्ड में स्वच्छता अभियान चलाया गया । अभियान का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रेनू नेगी एवं जिला पंचायत सदस्य श्री हितेश चौहान द्वारा किया गया। इसके पश्चात गंगा स्वच्छता की परिकल्पना को साकार करने के तहत पुनः छात्र छात्राओं को गंगा शपथ दिलवाई गई।

स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम के अलावा क्षेत्र के जल स्रोतों की वास्तविक स्थिति एवं उनके संभावित संरक्षण के प्रयासों पर भी मंथन किया गया।

इस कार्यक्रम में नमामि गंगे नोडल अधिकारी डॉ पी 0 सी0 पैन्यूली, डॉ जयेन्द्र सजवाण, डॉ पद्म, डॉ आशा , डॉ संजीव नेगी, डॉ रजनी गुसांईं, डॉ कविता काल , डॉ संदीप बहुगुणा,डॉ श्रीकृष्ण नौटियाल आदि उपस्थित रहे।

Devbhoomikhabar

https://devbhoomikhabar.com/गँगा-स्वच्छता-पखवाडे-के-त/

चतुर्थ दिवस - 19.03.20XXI (गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली)

चतुर्थ दिवस दिनांक 19 मार्च 2021 को गंगा स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 रेनू नेगी एवं मुख्य शास्ता डॉ0 अरूणा पी0 सूत्राधर ने हरी झड़ी दिखाकर रवाना किया। रैली में छात्र–छात्राओं ने गंगा स्वच्छता एवं संवर्धन से संबंधित स्लोगनों से युक्त तखतियों के साथ भागीदारी की, रैली नई टिहरी शहर के अधिकांश क्षेत्रों से होती हुई मुख्य चौराहे पर स्लोगनों के उदघोष के साथ पहुँची, शहर के मुख्य चौराहे पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसकी विषय वस्तु गंगा स्वच्छता तथा उसके महत्व से संबंधित थी । इस दौरान आम जनमानस, जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया के सम्मानित प्रत्रकार बन्धुओं ने कार्यक्रम की सराहना की। तत्पश्चात रैली पुनः दूसरे मार्ग से आवासीय कालौनियों से होती हुई महाविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। रैली में नमामि गंगे समिति के सदस्यों के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्राध्यापक–प्राध्यापिकाऐं एवं कर्मचारी भी सम्मिलित रहें।

चतुर्थ दिवस - 19.03.20XXI (गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली)

रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते हुए- महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य शास्ता

महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली निकालते हुए

शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरती हुई गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली

महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं स्लोगन तखत्तियों के साथ स्वच्छता रैली मे प्रतिभाग करते हुए

हनुमान चौक नई टिहरी में छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान	महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली निकालते हुए
शहर के मुख्य चौराहे पर गंगा स्वच्छता संवर्धन जागरूकता रैली	हनुमान चौक नई टिहरी में छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान

Media Report

चतुर्थ दिवस - 19.03.20XXI

Home › हमारा उत्तराखण्ड › टिहरी › गंगा स्वच्छता पखवाड़ाः पीजी कालेज के छात्र-छात्राओं ने गंगा स्वच्छता एवं जागरूकता...

हमारा उत्तराखण्ड | टिहरी

गंगा स्वच्छता पखवाड़ाः पीजी कालेज के छात्र-छात्राओं ने गंगा स्वच्छता एवं जागरूकता रैली निकाली

By **LOKPAKSH** March 19, 2021 44 0

नई टिहरी। गंगा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी के छात्र-छात्राओं ने आज शुक्रवार को जिला मुख्यालय के विभिन्न मार्गों पर गंगा स्वच्छता एवं जागरूकता रैली निकालकर गंगा की स्वच्छता को बनाए रखने का संदेश दिया।

साथ ही यहां नई टिहरी के मुख्य चौराहे पर छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गंगा की वर्तमान स्थिति को उजागर करते हुए इसे संरक्षित एवं स्वच्छ रखने का भी संदेश दिया।

गंगा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को आज यहां राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी की प्राचार्य डा0 रेनू नेगी एवं डा0 अरुणा पी सूत्रधर ने हरी झंडी दिखाकर गंगा स्वच्छता एवं जागरूकता रैली को रवाना किया।

नमामि गंगे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा0 पी0सी0 पैन्यूली के नेतृत्व में गंगा स्वच्छता से संबंधित स्लोगनों का गान करते हुए यह रैली टिहरी शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए नई टिहरी मुख्य चौराहे पर पहुंची।

चौराहे पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गंगा की वर्तमान स्थिति को उजागर किया और इसे संरक्षित एवं स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर नमामि गंगे समिति की डा0 आशा डोभाल, डा0 पद्मा वशिष्ठ, डा0 रजनी गुसाईं, डा0 कविता काला, डा0 संजीव नेगी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

https://lokpaksh.com/pg-college-students-took-out-ganga-cleanliness-and-awareness-rally/ 1/2

https://lokpaksh.com/pg-college-students-took-out-ganga-

नई टिहरी में महाविद्यालय के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गंगा को संरक्षित एवं स्वच्छ रखने का संदेश दिया

By **Devbhoomikhabar** - *March 19, 2021*

देहरादून। गंगा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत गंगा स्वच्छता एवं जागरूकता रैली को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी की प्राचार्य डॉ रेनू नेगी एवं डॉ अरुणा पी सूत्रधर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नमामि गंगे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉक्टर पी० सी० पैन्यूली के नेतृत्व मे गंगा स्वच्छता से संबंधित स्लोगनो का गान करते हुए रैली टिहरी शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए नई टिहरी मुख्य चौराहे पर पहुंची ।चौराहे पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गंगा की वर्तमान स्थिति को उजागर करते हुए संरक्षित एवं स्वच्छ रखने का संदेश दिया ।

https://devbhoomikhabar.com/गंगा-को-संरक्षित-एवं-स्वच/

पंचम दिवस - 20.03.20XXI (हस्ताक्षर अभियान)

पंचम दिवस दिनांक 20 मार्च 2021 को महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य शास्ता द्वारा हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया गया। प्राचार्य महोदया द्वारा पुनः छात्र–छात्राओं, महाविद्यालय के कर्मचारियों तथा प्राध्यापकों आदि को संबोधित करते हुए कहा गया कि मुख्य नदियों उनकी सहायिकाओं, हर प्रकार के जल स्रोतों, अपने आस–पास एवं सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए क्योंकि इनकी शुद्धता से ही हमारा पर्यावरण एवं पीने योग्य पानी शुद्ध रहेगा और हमारा जीवन स्वस्थ रहेगा। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों ने हस्ताक्षर अभियान के क्रम को जारी रखा। इस कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा कला संकाय प्रांगण एवं वाणिज्य संकाय भवन तथा बहुउद्देशीय भवन के आस–पास फैले कूड़े कचरे को साफ कर गढ्ढे खोदकर उसे दबाने का कार्य एवं झाड़िया काटकर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

पंचम दिवस - 20.03.20XXI (हस्ताक्षर अभियान)

हस्ताक्षर बैनर पर प्रथम हस्ताक्षर करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य	हस्ताक्षर बैनर पर हस्ताक्षर करते हुए नोडल अधिकारी नमामि गंगे
	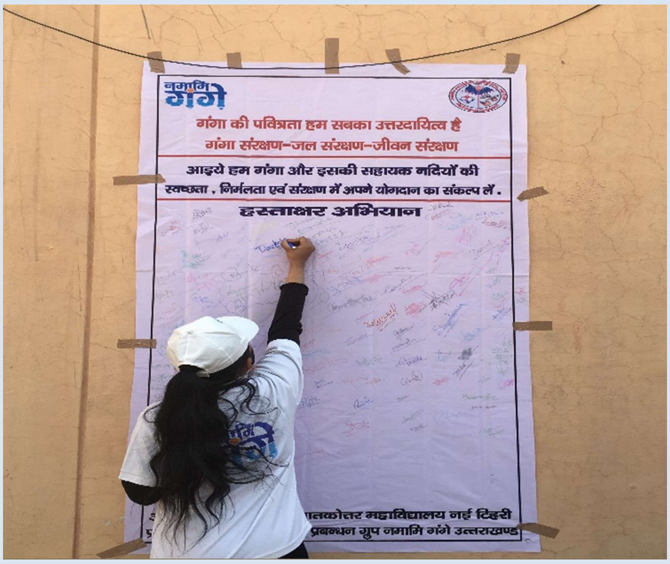
हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य	महाविद्यालय की छात्रा हस्ताक्षर बैनर पर हस्ताक्षर करते हुए

कला संकाय प्रांगण में स्वच्छता अभियान के तहत कूड़ा निस्तारण

कला संकाय प्रांगण में स्वच्छता अभियान

बहुउद्देशीय भवन के समीप स्वच्छता कार्यक्रम

महाविद्यालय परिसर से कूड़ा निस्तारण करते हुए

Media Report

पंचम दिवस - 20.03.20XXI

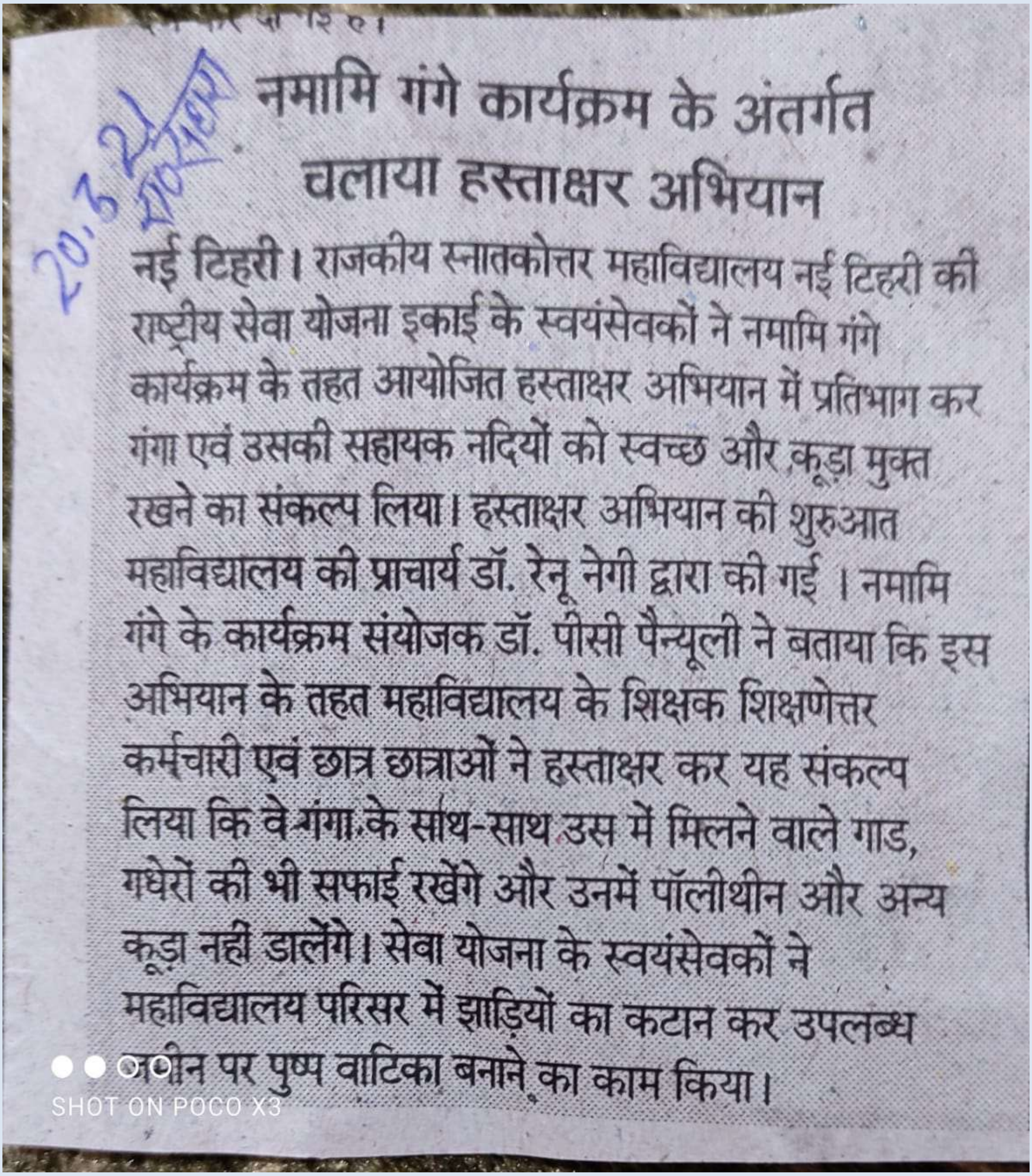

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत चलाया हस्ताक्षर अभियान

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग कर गंगा एवं उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ और कूड़ा मुक्त रखने का संकल्प लिया। हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रेनू नेगी द्वारा की गई। नमामि गंगे के कार्यक्रम संयोजक डॉ. पीसी पैन्यूली ने बताया कि इस अभियान के तहत महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने हस्ताक्षर कर यह संकल्प लिया कि वे गंगा के साथ-साथ उस में मिलने वाले गाड, गधेरों की भी सफाई रखेंगे और उनमें पॉलीथीन और अन्य कूड़ा नहीं डालेंगे। सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में झाड़ियों का कटान कर उपलब्ध जमीन पर पुष्प वाटिका बनाने का काम किया।

षष्ठम दिवस - 21.03.20XXI (योगा प्रशिक्षण-कार्यक्रम)

षष्ठम दिवस दिनांक 21 मार्च 2021 को महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण नमामि गंगे समिति की सदस्य डॉ0 पदमा वशिष्ठ द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में उनके द्वारा व्याख्यान एवं प्रयोगात्मक दोनों माध्यमों से प्रशिक्षित करने का प्रयास किया गया।

षष्ठम दिवस - 21.03.20XXI (योगा प्रशिक्षण-कार्यक्रम)

स्वस्थ जीवन शैली हेतु योगा प्रशिक्षण-कार्यक्रम

योगा प्रशिक्षण देते हुए महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ० पद्मा वशिष्ठ

स्वस्थ जीवन शैली हेतु योगा प्रशिक्षण-कार्यक्रम

महाविद्यालय में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत योगा प्रशिक्षण-कार्यक्रम

सप्तम दिवस - 22.03.20XXI (स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम)

सप्तम दिवस दिनांक 22 मार्च 2021 को महाविद्यालय के मुख्य भवन, प्रांगण, विज्ञान संकाय भवन एवं महाविद्यालय की मुख्य सड़क में स्वच्छता अभियान चलाया गया इसके पश्चात महाविद्यालय में प्राचार्य महोदया, समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं तथा आस–पास रहने वाले जन समुदाय के सम्मुख गंगा स्वच्छता एवं उसके सांस्कृतिक, आध्यात्मिक महत्व पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया जिसकी सभी दर्शकों ने अत्यधिक सराहना की।

सप्तम दिवस - 22.03.20XXI (स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम)

महाविद्यालय की मुख्य सड़क पर सफाई कार्यक्रम	विज्ञान संकाय में स्वच्छता कार्यक्रम
छात्र-छात्राएं कूड़ा निस्तारण करते हुए	छात्र-छात्राएं कूड़ा निस्तारण करते हुए

महाविद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम

परिसर में नुक्कड़ नाटक की एक और झलक

छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गंगा स्वच्छता सन्देश प्रसार

महाविद्यालय की प्राचार्य एवं प्राध्यापक नुक्कड़ नाटक में विद्यर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए

Media Report

सप्तम दिवस - 22.03.20XXI

Home › हमारा उत्तराखण्ड › टिहरी › गंगा स्वच्छता पखवाड़ाः नई टिहरी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

हमारा उत्तराखण्ड टिहरी

गंगा स्वच्छता पखवाड़ाः नई टिहरी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

By LOKPAKSH March 22, 2021 61 0

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी के छात्र-छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को आज महाविद्यालय की मुख्य सड़क, मुख्य प्रांगण एवं विज्ञान संकाय भवन के चारों ओर स्वच्छता अभियान चलाया।

साथ ही सभी छात्र-छात्राओं को कालेज एवं अपने घरों और आसपास के क्षेत्र में सफाई का ध्यान रखे जाने के लिए जागरूक किया गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा महाविद्यालय में गंगा स्वच्छता संरक्षण एवं जागरूकता से संबंधित नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति दी गई।

सोमवार को आज महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय की मुख्य सड़क, मुख्य प्रांगण एवं विज्ञान संकाय भवन के आसपास झाड़ियां काटी एवं कूड़ा करकट साफ किया। इसके पश्चात महाविद्यालय में गंगा स्वच्छता संरक्षण एवं जागरूकता से संबंधित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डा0 रेनू नेगी, डा0 अरुणा पी सूत्रधर, नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डा0 पी0सी0 पैन्यूली, डा0 आशा डोभाल, डा0 पद्मा वशिष्ठ, डा0 रजनी गुसाईं, डा0 कविता काला, डा0 संजीव नेगी आदि प्राध्यापक एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

https://lokpaksh.com/swachhta-abhiyan-launched-by-students-of-new-tehri-college/

अष्टम दिवस - 23.03.20XXI (गंगा स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता कार्यशाला)

अष्टम दिवस दिनांक 23 मार्च 2021को गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रेनू नेगी द्वारा कि गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय विधायक टिहरी विधान सभा डॉ0 धन सिंह नेगी, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखण्ड डॉ0आर0बी0एस0 रावत जी, विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर हरीश चन्द्र नैनवाल हे0न0ब0ग0वि0वि0 श्रीनगर एवं विशेष अतिथि डॉ0डी0एस0रावत पूर्व मुख्य जनरल मैनेजर मेडिकल सर्विसेज ओ0एन0जी0सी0 रहे। समस्त अतिथि गणों का महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर फूलों के पौधे देकर स्वागत किया गया तत्पश्चात कार्यशाला हाल में मॉ सरस्वती के चित्र पर प्राचार्य एवं मुख्य अतिथियों द्वारा माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथि गणों को अलंकृत किया गया। प्राचार्य महोदया ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत सम्बोधन करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत कर कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यशाला में उपस्थित सहभागियों को सम्बोधित करते हुए माननीय विधायक महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि गंगा पर ही भारतीय संस्कृति, आध्यात्म और जीवन का अधार समाहित है इसलिए गंगा की स्वच्छता और निर्मलता अपने पूर्ववर्त्ती स्वरूप में सरकारों के प्रयासों के साथ–साथ जन समुदाय के सहयोग से ही आ सकती है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से आह्वान किया कि उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही इस पुनीत कार्य की सफलता के लिए आगे आना चाहिए। विषय विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित प्रो0एच0सी0 नैनवाल जी द्वारा जलवायू परिवर्तन का हिमालयी हिमनदों पर पड़ने वाले प्रभावों के विषय में विस्तार से व्याख्यान दिया गया। उनके व्याख्यान का सार निम्नवत रहा।

- हिमनद कम से कम 0.1 वर्ग कि0मी0 में जमा बहुवर्षीय बर्फ को कहते है। हिमालय में अधिकतम हिमनद घाटियों में विकसित हुए है। अधिकतर हिमालयी हिमनद पीछे खिसक रहें हैं जो वैश्विक तापमान में वृद्धि को दर्शाते है।
- हिमनदो के पिघलने के निम्नलिखित व्यापक प्रभाव होते हैं।

1.सदानीरा हिमालयी नदियां मौसमी नदियों में परिवर्तित हो जाएगी।

2. चक्रवात, बाढ़ इत्यादि घटनाओं में वृद्धि की सम्भावना।

3. विभिन्न प्रजातियों के लुप्त होने की दर में वृद्धि

4. जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव।

5. खाद्यान्न उत्पादन में कमी।

- हिमयुगों के परिणाम स्वरूप हिमनदों की उत्पत्ति हुई है। हिमालयी हिमनद क्वाटरनरी–प्लीस्टोसीन हिमयुग के परिणाम स्वरूप उत्पन्न हुए हैं। हिमालय में $3.8x10^4$ वर्ग कि0मी0 में विभिन्न आकारों के लगभग 15000 हिमनद हैं जो हिमालय का 17% क्षेत्र में है। ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर अवस्थित हिमनदों में हिमालयी हिमनदों का क्षेत्रफल 50% से अधिक है।
- वर्तमान में 10% वैश्विक भू–भाग को हिमनद घेरे हुए हैं। हिमयुग में हिमनदों का विस्तार क्षेत्र 32% वैश्विक भू–भाग था।
- हिमालयी हिमनद वर्ष भर में $8.6x10^6$मी^{3} जल प्रदान करते हैं एवं एशिया की सात बड़ी नदियां उदाहरण–गंगा, सिन्धु, बह्मपुत्र, सालविन, मेकॉन्ग, यांत्ज एव हुंगहो वर्ष भर अरबों जन मानस को लाभान्वित करती है।
- उत्तराखण्ड हिमालय में लगभग 2884.15कि0मी0^2 क्षेत्र में लगभग 968 हिमनद है। चमोली, उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ जिले में कुल 91% हिमनद हैं जो 92% क्षेत्र को घेरते हैं।
- ऊपरी अलकनन्दा घाटी को तीन उपक्षेत्रों में बॉटा जा सकता है जैसे–ऊपरी अलकनन्दा, सरस्वती एवं धौली गंगा। UAB (अपर अलकनन्दा बेसिन) में 272 हिमनद लगभग 931.86 वर्ग कि0मी0 में फैले हैं। इस क्षेत्र में 5 कि0मी0 से अधिक लम्बाई वाले 38 हिमनद हैं। अधिकतर हिमनद मानसून प्रभावित क्षेत्र में हैं जबकि कुछ ट्रांस हिमालय वृष्टि छाया प्रदेश में हैं।
- हे0न0ब0ग0वि0वि0 श्रीनगर ने अपर अलकनन्दा बेसिन सतोपन्थ (SPG) एवं भगीरथ खड़क (BKG) हिमनद पर गहन अध्ययन किया है। SPG एवं BKG के पीछे खिसकने की औसत दर क्रमशः 1936–2013के मध्य $9.7 \neq 0.8$ मी0 प्रति वर्ष एवं $7.0 \neq 0.6$ मी0 प्रति वर्ष है। विश्वविद्यालय ने वर्ष 1956–2013 के मध्य हिमनदों द्वारा खाली किये गये क्षेत्र का आकलन किया जो SPG एवं BKG के लिए क्रमशः $0.27 \neq 0.05$ वर्ग कि0मी0 एवं $0.17 \neq 0.64$ वर्ग कि0मी0 है।
- हिमनद के पीछे खिसकने की दर केवल जलवायु परिवर्तन से ही नियन्त्रित नहीं होती अपितु भू आकृतिक एवं मोरफोलॉजिक कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- UAB में हिमनदों के खण्डित होने के कारण हिमनदों की संख्या में वृद्धि हुई है जबकि हिमनदों के क्षेत्रफल में कमी आयी है।

अतः अध्ययन से स्पष्ट है कि हिमनदों के पीछे खिसकने की प्रक्रिया उच्च हिमालयी क्षेत्र में हुए परिवर्तन के अनुरूप है। इस के साथ ही 7 फरवरी 2021 में चमोली जिले के रैणी गांव के समीप घटी घटना के सन्दर्भ में बताते हुए उन्होने कहा कि विकास सम्बन्धी कार्यो से पूर्व प्राकृतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का व्यापक पर्यावरणीय अध्ययन आवश्यक है।

डॉ0 आर0बी0एस0रातव ने अपने व्याख्यान में निम्न मुख्य तथ्यों का उल्लेख किया।

- गंगा नदी का संभरण क्षेत्र भागीरथी, अलकनन्दा, यमुना, घाघरा, रामगंगा, गंडक, कोशी, महानन्दा, सोन, गोमती पुनपुन आदि नदियों से मिलकर बना है। गंगा नदी में प्रति सेकेण्ड 11000 क्यूबिक मीटर पानी गंगा सागर में प्रवाहित होता है जो मानसून के जल चक्र को बनाए रखने में सहायक होता है।
- गंगा नदी हिमालय से प्रति वर्ष सौ करोड़ टन मिट्टी एवं खनिज बहा कर ले जाती है जो कि सम्पूर्ण उत्तर भारत की भूमि को उर्वरा बनाने में निर्णायक सिद्ध होती है।

- गंगा नदी का बेसिन पूरे विश्व में अपने ऐतिहासिक, आध्यात्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिए जाना जाता है।
- गंगा नदी के जल संभरण क्षेत्र में कुटीर एवं अन्य औद्योगिक केन्द्र सहारनपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़, कन्नौज, आगरा, प्रयागराज, वाराणासी, पटना, भागलपुर तथा कोलकाता अवस्थित हैं। पिछले 2500 वर्षो से गंगा नदी पर पूर्णतः विकसित नौका परिवहन की व्यवस्था का इसमें अहम योगदान है।
- गंगा नदी के पानी में बैक्टीरियोफाज वायरस पाया जाता है जो कि गंगा नदी के जल को प्राकृतिक रूप से शुद्ध बनाये रखने में उल्लेखनीय योगदान देता है।
- आज गंगा नदी बेसिन में अनियोजित विकास गतिविधियों की वजह से उत्पन्न पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता है ताकि मानवता और जैव संसाधनों का अस्तित्व सुनिश्चित किया जा सके। इन्हीं आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाएं शुरू की गई है। जिनमें सन 1986 का गंगा एक्शन प्लान, 2009 में राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन ऑथॉरटी और सन 2014 में राष्ट्रीय गंगा स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे) की स्थापना प्रमुख है ।
- विकास कार्यो की योजना स्थानीय जनमानस के साथ मिलकर उनके परम्परागत ज्ञान को आधार बनाकर नियोजित की जानी चाहिए।

डॉ0 डी0एस0 रावत ने अपने व्याख्यान में गंगा स्वच्छता, पर्यावरण सन्तुलन, एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं की विस्तृत जानकारी देकर कार्यशाला की सार्थकता स्पष्ट की।

उपरोक्त व्याख्यानों के पश्चात प्राचार्य एवं अतिथियों द्वारा निबन्ध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं के विजेताओ, नुक्कड़ नाटक, सरस्वती वन्दना, स्वागत गान, स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैलियों में अपना योगदान देने वाले छात्र–छात्राओं को पुरूस्कार, प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन नमामि गंगे समिति की सदस्य डॉ आशा डोभाल द्वारा किया गया।

कार्यशाला के अन्त में नोडल अधिकारी डॉ0 पी0 सी0 पैन्यूली द्वारा प्राचार्य, समस्त अतिथियों, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे के निदेशक उदय राज सिंह एवं संचार विशेषज्ञ श्री पूरन कापड़ी, प्रिन्ट, इलैक्ट्रोनिक मिडिया के संवादाताओं बाहर से आये अन्य अतिथियों, कार्यशाला के सफल आयोजन में सहयोगी महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्राचार्य महोदया की सहमति पर कार्यशाला की समाप्ति की घोषणा की।

अष्टम दिवस - 23.03.20XXI (गंगा स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता कार्यशाला)

National Mission for clean Ganga

"There is a synchronicity between water cycle & life cycle"

गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, संरक्षण एवं जागरूक्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनाँक- 23 मार्च 2021
(मंगलवार)

आयोजक- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड

प्रायोजक- राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे, देहरादून, उत्तराखण्ड

Contact: 01376-234964

gpgcollegentt@gmail.com

www.gpgcnewtehri.com

नमामि गंगे

कार्यक्रम

1. पंजीकरण- प्रातः 09:30 बजे
2. स्वागत समारोह एवं दीप प्रज्ज्वलन - प्रातः 10:00 बजे
3. स्वागत अभिभाषण (द्वारा प्राचार्य प्रोफेसर रेनू नेगी)- प्रातः 11:00 बजे
4. टेक्नीकल सेशन (प्रथम सत्र) - प्रो0 एच0 सी0 नैनवाल (विषय विशेषज्ञ)- प्रातः 11:30 बजे
5. मुख्य अतिथि उद्बोधन (माननीय विधायक डा0 धन सिंह नेगी, टिहरी विधानसभा)- अपराह्न 12:30 बजे
6. अतिविशिष्ठ अतिथि (श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह) उद्बोधन- 01:00 बजे
6. विशिष्ठ अतिथि (डा0 आर0 बी0 एस0 रावत-Former Principal Chief Conservator of Forests, Uttarakhand) टेक्नीकल सेशन (द्वितीय सत्र)- अपराह्न 01:30 बजे
7. प्रश्नोत्तरी-सत्र-अपराह्न 02:30 बजे
8. धन्यवाद प्रस्ताव नोडल अधिकारी (डा0 पी0 सी0 पैन्यूली)- सायं 03:00 बजे

अष्टम दिवस - 23.03.20XXI (गंगा स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता कार्यशाला)

"नमामि गंगे"

(नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा)

- संक्षिप्त में.

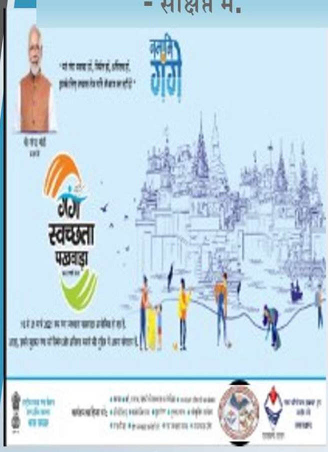

भारत सरकार ने जुलाई 2014 में गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और नदी को पुनर्जीवित करने के लिए नमामि गंगे नामक एक एकीकृत गंगा मिशन का शुभारंभ किया। गंगा नदी की कुल लंबाई 2525 किलोमीटर है गंगा का बेसिन 1.6 मिलीयन वर्ग मीटर का है जिसमें 468.7 बिलियन मिट्रिक पानी साल भर में प्रवाहित होता है। इसके बेसिन में 45 करोड़ आबादी निवास करती है। परियोजना का उददेश्य नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत नदी कीं ऊपरी सतह की सफाई से लेकर बहते हुए ठोस कचरे की समस्या का निराकरण करना, ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की नालियों से आते मैले पदार्थका उपचार,शौचालय निर्माण, शवदाह गृह का आधुनिकीकरण और निर्माण ताकि अधजले तथा आंशिक रूप से जले शवों को नदी में बहने से रोका जा सके। इसके अतिरिक्त घाटों के निर्माण, मरम्मत और आधुनिकीकरण का लक्ष्य भी निर्धारित है। गंगा नदी न सिर्फ हमारी संस्कृति की संवाहक है बल्कि हमारे देश की 40% आबादी की आर्थिकी का भी आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना को देश की आर्थिक समृद्धि के लिए एक बड़ा कदम बताया है।

कार्यशाला- संक्षिप्त में

नमामि गंगे (नेशनल मिशन फॉर क्लीन गं गा) परियोजना की शुरुआत भारत सरकार द्वारा गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने तथा गंगा नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से की गयी थी।

-इस परियोजना का क्रियान्वयन केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग द्वारा किया जा रहा है।

- अब तक इस मिशन के तहत 25,000 करोड़ रुपये की 313 परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है, जिनका उद्देश्य नदी बेसिन में प्रदूषण को समाप्त करना एवं अवसंरचना परियोजनाओं का वि कास और सुधार करना है।

- गर्व का विषय है कि राजकीय स्नातको त्तर महाविद्यालय नई टिहरी जो कि गंगा नदी बेसिन पर अवस्थित है, और गंगा नदी पर बनी टिह री बाँध परियोजना का निकटतम महाविद्यालय है, के द्वारा "**गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, संरक्षण एवं जागरूकता**" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

- महाविद्यालय के द्वारा गंगा स्वच्छता एवं पुनर्जीवन पर आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य, 'गंगा की महत्ता और स्वच्छता का सन्देश सभी हितधारकों तक पहँचाने का एक प्रयास है।', जिसके अंतर्गत नमामि गंगे प्रबंधन ग्रु प एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टि हरी द्वारा दिनांक 16 मार्च 2021 से 31 मार्च 2021 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है।

Our Mission

"River for the flower, River for the tree

River for the Bird, River for the Bee

River for the River and River for the Sea." - Because without blue, there is no green.

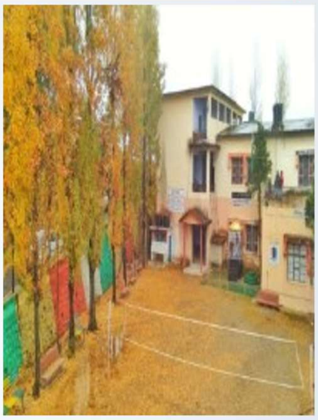

कार्यक्रम अध्यक्ष/संरक्षक
डॉ० रेनू नेगी (प्राचार्य)

आयोजक मंडल-

डॉ० पी० सी० पैन्यूली (नोडल अधिकारी नमामि गंगे कार्यक्रम)

डॉ० पद्मा वशिष्ठ (सदस्य)

डॉ० आशा डोभाल (सदस्य)

डॉ० जयेन्द्र सजवाण (सदस्य)

डॉ० संदीप कुमार (सदस्य)

- For any query please contact us at: + 919411187936
- Email: pcpainuli@gmail.com

I-River-You, You-River-me

अष्टम दिवस - 23.03.20XXI (गंगा स्वच्छता, संवर्धन एवं जागरूकता कार्यशाला)

महाविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि माननीय विधायक डॉ ० धन सिंह नेगी जी का पुष्प से स्वागत	प्राचार्य द्वारा विशिष्ठ अतिथि डॉ ० आर० बी० एस० रावत एवं डॉ० डी० एस० रावत का स्वागत
विषय विशेषज्ञ प्रो० एच० सी० नैनवाल जी को फूल का पौधा देकर स्वागत करते हुए	गंगा रंगोली के द्वारा अतिथि सत्कार

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथि गणो द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ

सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान करते हुई छात्राएं

कार्यशाला में प्राचार्य द्वारा स्वागत अभिभाषण

कार्यशाला का सञ्चालन-द्वारा डॉ० आशा डोभाल

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

विशिष्ठ अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट

मुख्य अतिथि को शॉल भेंट करते हुए

विशिष्ठ अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट

कार्यशाला में मंचासीन अतिथि गण

विषय विशेषज्ञ द्वारा तकनीकी व्याख्यान

मुख्य अतिथि का सम्बोधन

विशिष्ठ अतिथि का व्याख्यान

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

कार्यशाला में उपस्थित महाविद्यालय के प्राध्यापक

कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राएँ

विशिष्ठ अतिथि का व्याख्यान

जल संवर्धन शपथ- द्वारा डॉ ० आर० बी० एस० रावत	निबंध प्रतियोगिता के विजेता को पुरुस्कृत करते हुए
पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता को पुरुस्कृत करते हुए	नुक्कड़ नाटक के प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए

सरस्वती वंदना की प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान करती प्राचार्य महोदया

स्वागत गान की प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए

प्राचार्य महोदया को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए

समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए - नमामि गंगे के नोडल अधिकारी

Media Report

अष्टम दिवस - 23.03.20XXI

Home › हमारा उत्तराखण्ड › टिहरी › नमामि गंगे कार्यक्रम: गंगा की स्वच्छता सरंक्षण और जागरूकता को कार्यशाला

हमारा उत्तराखण्ड | टिहरी

नमामि गंगे कार्यक्रम: गंगा की स्वच्छता सरंक्षण और जागरूकता को कार्यशाला

By **LOKPAKSH** March 23, 2021 93 0

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में जल शक्ति मंत्रालय के तहत पूरे प्रदेश भर में चलने वाले नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा की स्वच्छता सरंक्षण और जागरूकता को लेकर आज कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की छात्रओं द्वारा स्वागत गान और सरस्वती वंदना द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

इस कार्यशाला का उदघाटन टिहरी विधायक डॉ.धन सिंह नेगी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी छात्र छात्राओं का आह्वान किया कि वह गंगा की स्वच्छता के साथ-साथ गंगा की सहायक नदियों की भी स्वच्छता का ध्यान रखें और इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं, क्योंकि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जनजीवन गंगा पर आश्रित है।

इस कार्यशाला के विशिष्ट वक्ता हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एच.सी.नैनवाल ने हिमालय के ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभाव का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि हिमालय क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष लगने वाली आग से उत्सर्जित कार्बन ग्लेशियरों के पिघलने का एक महत्वपूर्ण कारण है।

उन्होंने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन में विस्तार से जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर पड़ने वाले प्रभाव का प्रस्तुतीकरण किया। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि डॉ.आर.बी.एस रावत पूर्व मुख्य वन संरक्षक उत्तराखंड ने अपने उद्बोधन में जल के महत्व, सरंक्षण और जागरूकता पर बल दिया और कहा कि हमारे छात्र छात्राओं को पारंपरिक ज्ञान को जानने वाले लोगों से सीखने की जरूरत है और इस संबंध में लोक परंपरा से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

इस अवसर पर विधायक धन सिंह नेगी, आर.बी.एस रावत, डॉ.एच.सी नैनवाल और ओएनजीसी के भूतपूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर दीवान सिंह रावत ने महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका अभिव्यक्ति के संयुक्त अंक एवं महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर संजीव सिंह नेगी की पुस्तक ` हिंदी कविता आदि काल से रीतिकाल ` का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के महाविद्यालय संयोजक डॉ पी.सी.पैन्यूली ने मंचासीन सभी अतिथियों का परिचय एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रेनू नेगी ने सभी कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों का शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.आशा डोभाल द्वारा किया गया।

https://lokpaksh.com/workshop-on-cleanliness-conservation-and-awareness-of-ganga-/

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में गंगा की स्वच्छता सरंक्षण और जागरूकता को लेकर कार्यशाला का किया गया आयोजन

By **Devbhoomikhabar** - *March 23, 2021*

टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में जल शक्ति मंत्रालय के तहत पूरे प्रदेश भर में चलने वाले नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा की स्वच्छता सरंक्षण और जागरूकता को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गान और सरस्वती वंदना द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यशाला का उदघाटन टिहरी जनपद के विधायक डॉ.धन सिंह नेगी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी छात्र -छात्राओं का आह्वान किया कि वह गंगा की स्वच्छता के साथ-साथ गंगा की सहायक नदियों की भी स्वच्छता का ध्यान रखें और इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं । उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जनजीवन गंगा पर आश्रित है। इस कार्यशाला के विशिष्ट वक्ता हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एच.सी.नैनवाल ने हिमालय के ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभाव का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि हिमालय क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष लगने वाली आग से उत्सर्जित कार्बन ग्लेशियरों के पिघलने का एक महत्वपूर्ण कारण है। उन्होंने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन में विस्तार से जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर पड़ने वाले प्रभाव का प्रस्तुतीकरण किया।

कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि डॉ.आर.बी.एस रावत पूर्व मुख्य वन संरक्षक उत्तराखंड ने अपने उद्बोधन में जल के महत्व, सरंक्षण और जागरूकता पर बल दिया और कहा कि हमारे छात्र-छात्राओं को पारंपरिक ज्ञान को जानने वाले लोगों से सीखने की जरूरत है और इस संबंध में लोक परंपरा से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

इस अवसर पर विधायक धन सिंह नेगी , आर.बी.एस रावत, डॉ.एच.सी नैनवाल जी और ओएनजीसी के भूतपूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दीवान सिंह रावत जी ने महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका अभिव्यक्ति के संयुक्त अंक एवं महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर संजीव सिंह नेगी की पुस्तक ' हिंदी कविता आदि काल से रीतिकाल ' का विमोचन भी किया। इस अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के महाविद्यालय संयोजक डॉ पी.सी.पैन्यूली ने मंचासीन सभी अतिथियों का परिचय एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रेनू नेगी ने सभी कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों का शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.आशा डोभाल द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ.डी.पी.एस भंडारी, डॉ.संदीप बहुगुणा, डॉ.पद्मा वशिष्ट, डॉ.कविता काला, डॉ.डी.एस.तोपवाल, डॉ.श्रीकृष्ण नौटियाल, डॉ सोबन सिंह, डॉ.इंदु शेखर मंमगाई , डा. इंदिरा जुगरान आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत होने वाली निबंध पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी कार्यशाला के अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

https://devbhoomikhabar.com/गंगा-की-स्वच्छता-सरंक्षण/

जन समुदाय के सहयोग से ही गंगा हो सकती है स्वच्छ : नेगी

पीजी कॉलेज नई टिहरी में गंगा की स्वच्छता और जागरूकता पर कार्यशाला

नई टिहरी, 23 मार्च (स.ह.) : पीजी कॉलेज नई टिहरी में केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा की स्वच्छता और जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि गंगा पर ही भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जीवन का आधार समाहित है। ऐसे में गंगा सिर्फ सरकार और प्रशासन के लोगों के प्रयास से ही नहीं बल्कि जन समुदाय के सहयोग से निर्मल और स्वच्छ हो सकती है।

नई टिहरी में पुस्तक का विमोचन करते विधायक धन सिंह नेगी।

मंगलवार को महाविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यशाला का स्थानीय विधायक डॉ. धन सिंह नेगी ने शुभारंभ किया। विधायक नेगी ने कहा कि छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ ही गंगा और सहायक नदियों की स्वच्छता पर भी जोर देने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. एचसी नैनवाल ने ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देते हुए हिमालय क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष लगने वाली आग से उत्सर्जित कार्बनों से पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्य वन संरक्षक डॉ. आरबीएस रावत ने जल के महत्व, संरक्षण और जागरूकता पर जोर दिया।

कहा कि छात्र-छात्राओं को पारंपरिक ज्ञान को जानने वाले लोगों से सीखने की जरूरत है। अतिथियों ने महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. संजीव सिंह नेगी की पुस्तक हिंदी कविता 'आदि काल से रीति काल' का विमोचन भी किया। छात्राओं ने स्वागत गान और सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पीसी पैन्यूली ने नमामि गंगे के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. रेनू नेगी, डा. आशा डोभाल, डा. डीपीएस भंडारी, डा. संदीप बहुगुणा, डा. पदमा वशिष्ट, डा. कविता काला, डा. डीएस तोपवाल, डा. श्रीकृष्ण नौटियाल, डा. सोबन सिंह, डा. इंदु शेखर मंमगाई, डा. इंदिरा जुगरान आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत नई टिहरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई कार्यशाला

संवाद सहयोगी, नई टिहरी : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा की स्वच्छता को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर गंगा व उसकी सहायक नदियों के स्वच्छता पर जोर दिया गया साथ ही इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ टिहरी के विधायक धन सिंह नेगी ने किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि गंगा के साथ-साथ सहायक नदियों के स्वच्छता का ध्यान रखा जाए। साथ ही इसके लिए दूसरों को भी जागरूक करें। एचएनबी गढ़वाल विवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. एचसी नैनवाल ने हिमालय ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाले प्रभाव का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि हिमालय क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष लगने वाली आग से उत्सर्जित कार्बन ग्लेशियरों के पिघलने का महत्वपूर्ण कारण हैं। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों पर पड़ने वाले प्रभावों का प्रस्तुतीकरण किया। पूर्व मुख्य वन संरक्षक उत्तराखंड डॉ. आरबीएस रावत ने जल के महत्व, संरक्षण और जागरूकता पर बल दिया और कहा कि छात्र-छात्राओं को पारंपरिक ज्ञान को जानने वाले लोगों से सीखने की जरूरत है। नमामि गंगे कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पीसी पैन्यूली ने अतिथियों का धन्यवाद दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. रेनू नेगी ने अतिथियों का शॉल व स्मृत चिह्न देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत होने वाली निबंध पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी कार्यशाला के अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. आशा डोभाल, डॉ. डीपीएस भंडारी, डॉ. पदमा वशिष्ठ, डॉ. कविता काला, डॉ. डीएस तोपवाल, सोबन सिंह, डॉ. इंदु शेखर ममगाईं आदि मौजूद थे।

नई टिहरी महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में निबंध प्रतियोगिता में स्थान पाने वाली छात्रा समीक्षा को पुरस्कृत करते विधायक धन सिंह नेगी (बायें)

नवम दिवस - 24.03.20XXI (गंगा रन कार्यक्रम)

नवम दिवस दिनांक 24 मार्च को गंगा रन का आयोजन किया गया इसमे महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने पूर्ण उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। गंगा रन को महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रन महाविद्यालय से श्री कृष्ण चौक बौराड़ी तक आयोजित की गई।

उपरोक्त 9 दिवसों तक चलने वाले इस स्वच्छता पखवाड़ा में महाविद्यालय की प्राचार्य, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे, महाविद्यालय नमामि गंगे समिति के सदस्यों महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा सम्पूर्ण गतिविधियों में मुख्य भूमिका निभाने वाले छात्र–छात्राओं के अभूतपूर्व सहयोग से उक्त कार्यक्रम सफलता पूर्वक अपने उद्देश्यों को पूर्ण करते हुए सम्पन्न किया गया।

नवम दिवस - 24.03.20XXI (गंगा रन कार्यक्रम)

प्राचार्य महोदया गंगा रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए	गंगा रन से पूर्व गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता के लिए उद्घोष
गंगा रन में प्रतिभाग करते हुए छात्र-छात्राएं-(1)	गंगा रन में प्रतिभाग करते हुए छात्र-छात्राएं-(2)

Media Report

नवम दिवस - 24.03.20XXI

Home › हमारा उत्तराखण्ड › टिहरी › पीजी कॉलेज नई टिहरी में गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गंगा रन...

हमारा उत्तराखण्ड | टिहरी

पीजी कॉलेज नई टिहरी में गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत गंगा रन का आयोजन

By **LOKPAKSH** March 24, 2021 62 0

नई टिहरी। यहां स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आज गंगा रन का आयोजन किया गया।

गंगा रन का आयोजन महाविद्यालय से श्री कृष्ण चौक बौराड़ी तक किया गया। इस रन कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डा0 रेनू नेगी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की मुख्य अधिष्ठाता डा0 अरुणा पी सूत्रधर, कार्यक्रम संयोजक डा0 पी0सी0 पैन्यूली, डा0 डीपीएस भंडारी, डा0 कविता काला, डा0 संजीव नेगी, डा0 कुलदीप रावत, डा0 संदीप बहुगुणा, डा0 पद्मा वशिष्ठ, डा0 आशा डोभाल, डा0 जयेंद्र सजवाण आदि ने छात्र-छात्राओं की हौसला अफजाई की एवं रन हेतु प्रेरित किया। इस दौरान सभी के द्वारा गंगा रन की सार्थकता से अवगत कराया गया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ.डी.पी.एस भंडारी, डॉ.संदीप बहुगुणा, डॉ.पद्मा वशिष्ट, डॉ.कविता काला, डॉ.डी.एस.तोपवाल, डॉ.श्रीकृष्ण नौटियाल, डॉ सोबन सिंह, डॉ.इंदु शेखर मंमगाई, डा. इंदिरा जुगरान आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत होने वाली निबंध पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी कार्यशाला के अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

https://lokpaksh.com/ganga-cleanliness-fortnight-at-govt-pg-college-new-tehri/